S.U.S. Govt. College, Sunam

Established in 1969, NAAC Accredited-Grade B (CGPA 2.72) **Affiliated to:** Punjabi University, Patiala **E-mail:**gcsunam@gmail.com, **College website:** www.susgcsunam.com, **Tel:** 01676-220134

Extension Activities

Extension Activities done in terms of impact & sensitizing students to social issues and holistic development

48. Event: Rally and Chetnamarch on Stubble Burning

Date: Oct. 2019

एन.एस.एस. वालंटियरों ने दिया पराली न जलाने का संदेश

बख्शीवाला में लोगों को पराली न जलाने का संदेश देते एन.एस.एस. वालंटियर।

सुनाम ऊधम सिंह वाला (राजीव/राजेश) : धान की कटाई के बाद पराली को आग लगाने को रोकने और पंजाब सरकार के आदेशों को लागू करने के लिए स्थानीय शहीद ऊधम सिंह सरकारी कालेज एन.एस.एस. गर्ल्स यूनिट की तरफ से गांव बख्शीवाला में चेतना मार्च निकाला गया। एन.एस.एस. वालंटियरों द्वारा जागरूकता मुहिम के तहत गांव निवासियों को घर-घर जाकर बताया कि पराली को आग लगाने से वातावरण दूषित होता है, जिससे कई बीमारियां फैलने का डर है और सड़कों पर धुएं के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इस मौके प्रिंसीपल डा. सुखबीर सिंह थिंद ने गांव निवासियों से अपील की कि पराली को आग लगाने से जहां कीमती खुराकी तत्वों का नुक्सान होता है, वहीं प्रदूषित हवा कारण हमें अनेकों तरह की बीमारियों का सामना भी करना पड़ता है। प्रोग्राम अफसर डा. रमनदीप कौर ने कहा कि पराली को आग लगाने से अकेले जीव-जंतुओं का ही खात्मा नहीं होता, बल्कि कई बार मनुष्य की जान भी चली जाती है। यदि किसान फसल की अवशेष को जमीन में ही खपा दे तो इसके साथ जमीन की गुणवत्ता बढ़ेगी और ज्यादा खाद डालने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस मौके पर प्रो. सतिंदर सिंह, तरसेम सिंह और भरपूर सिंह उपस्थित थे।

पराली न जलाने का संदेश दिया

सुनाम के गांव बख्शीवाला में किसान परिवारों को जागरूक करती छात्राएं। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

सुनाम ऊधम सिंह वाला(संगरूर)। धान की पराली को आग के हवाले नहीं करने के प्रति किसान परिवारों को जागरूक करने के लिए शहीद ऊधम सिंह सरकारी कालेज की छात्राओं ने सीधे गांवों में दस्तक देने का बीडा उठाया है।

सोमवार को छात्राओं की टीम, प्रिंसिपल सुखबीर सिंह थिंद तथा एनएसएस प्रभारी डॉ. रमनदीप कौर के नेतृत्व में गांव बख्शीवाला में पहुंची। इस दौरान हाथों जागरूक पोस्टर थामे छात्राओं गांव में डोर टू डोर दस्तक दी अ किसानों के परिवारों से आग किया कि पराली को आग हवाले नहीं करके खुद अपना प्रकृति का भला करें।

'नाड़ न जलाए' वातावरण बचाओ' चेतना मार्च निकाला

बुरे प्रभावों बारे किया जागरूक

चेतना मार्च निकालते एन.एस.एस. वालंटियर्ज। (छायाः रामेश गर्ग)

सुनाम ऊधम सिंह वाला, 7 अक्तूबर (रामेश गर्ग) : शहीद ऊधम सिंह सरकारी कॉलेज की एन.एस.एस. विभाग वालंटीयरों द्वारा प्रिंसीपल डा. सुखबीर सिंह थिंद की अगुवाई में नजदीकी गांव बख्शीवाला में धान की नाड़ को आग लगाने के वरतारे को रोकने के मंतव से चेतना मार्च निकालकर ' नाड़ न जलाओ, वातावरण बचाओ' का संदेश दिया गया। वालंटीयर्ज ने घर-घर जाकर गांव निवासियों को जागरूक करते बताया कि जहां नाड़ को आगे लगाने के साथ वातावरण दूषित होता है वहां ही मनुष्य को सांस लेने में भी दिक्कत आती है। डा. रमनदीप कौर ने कहा कि नाड़ जलाने से आग की लप्टों में जीव जंतु ही नही जलते बल्कि कई बार मनुष्य जानें भी जोखिम में पड़ जाती है। इस मौके प्रो. सतिन्द्र सिंह, तरसेम सिंह और भरपूर सिंह आदि शामिल थे।

चेतना मार्च निकालकर पराली न जलाने व पर्यावरण बचाने का संदेश दिया

सुनाम, 7 अक्तूबर (बांसल): धान की कटाई के बाद पराली को आग लगाने के से पूरी तरह रोकने व पंजाब सरकार के आदेशों को लागू करने के लिए एन.एस.एस. गर्ल्ज यूनिट शहीद ऊधम सिंह सरकारी कालेज सुनाम द्वारा गांव बख्शीवाला में चेतना मार्च निकाला गया।

वालंटियर्ज ने इस जागरूकता अभियान में गांव वासियों को घर-घर जाकर बताया कि पराली को आग लगाने से पर्यावरण दूषित होता है व हमें सांस लेने में मुश्किल आती है। साथ ही दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

छात्राएं चेतना मार्च निकालती हुईं। (बांसल)

प्रिंसीपल सुखबीर सिंह थिंद ने कहा कि पराली जलाने से जहां कीमती खुराकी तत्व का नुक्सान होता है वहीं प्रदूषित हवा कारण हमें अनेक तरह की लाइलाज बीमारियों का सामना करना पड़ता है। कार्यक्रम अफसर रमनदीप कौर ने लोगों को जानकारी देते हुए कहा कि पराली जलाने से आग की लपटों में अकेले जीव-जंतुओं का खात्मा नहीं होता बल्कि कई बार मानवीय जानें चली जाती हैं। इस अवसर पर सतिन्द्र सिंह, तरसेम सिंह व भरपूर सिंह उपस्थित थे।

ਐਨ.ਐਸ.ਐਸ.
ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਨਹੀਂ ਲਾਵਾਂਗੇ
ਵਾਤਾਵਰਣ ਬਚਾਵਾਂਗੇ
ਵੱਲੋਂ :

ਐਨ.ਐਸ.ਐਸ.
ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਨਹੀਂ ਲਾਵਾਂਗੇ
ਐਨ.ਐਸ.ਐਸ.
ਪਰਾਲੀ ਨਾ ਜਲਾਓ

ਐਨ ਐਸ ਐਸ
ਪਰਾਲੀ ਨਾ ਜਲਾਓ
ਵਾਤਾਵਰਣ ਬਚਾਓ

ਐਨ ਐਸ ਐਸ
ਪਰਾਲੀ ਨੂੰ ਅੱਗ ਨਾ ਲਾਓ
ਵਾਤਾਵਰਣ ਬਚਾਓ
ਮਿਸਤਰੀ

ਐਨ ਐਸ ਐਸ
ਪਰਾਲੀ ਨਾ ਜਲਾਓ
ਵਾਤਾਵਰਣ ਬਚਾਓ
ਮਿਸਤਰੀ